विनोबा भावे विश्वविद्यालय

हजारीबाग (झारखण्ड)

पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) – 2020

स्नातक संताली (FYUGP)

रूचि आधारित साख पद्धति

(CBSE)

प्रथम पत्र चयन के सामान्य निर्देश/अंक विभाजन

क्रेडिट – 03, नन–संताली, कुल अंक – 50

1. प्रश्न पत्र की अवधि दो घंटे की होगी।
2. प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे।
3. दिए गए खंड 'क' से पाँच वस्तुनिष्ठ एवं दो लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर देना अनिवार्य है।
4. दिए गए खंड 'ख' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

खंड क (वस्तुनिष्ठ)	–	02 X 05 = 10 अंक
खंड क (लघु उत्तरीय)	–	05 X 02 = 10 अंक
खंड ख –		10 X 02 = 20 अंक
		40 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा 05 अंक

एक मौखिक परीक्षा

उपस्थिति – 05 अंक

कुल 05 अंक

विशेष :–विभागीय शिक्षकों के अतिरिक्त मौखिकी हेतु एक वाह्य परीक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

क्रेडिट – 06, कुल अंक – 100

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. वस्तुनिष्ठ पत्र के दो खंड होंगे – क्रमशः लघुउत्तरीय, वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घ उत्तरीय प्रकार के होंगे।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से जुडा खंड 'क' अनिवार्य होगा।
4. दिए गए खंड 'क' से दो लघउत्तरीय प्रश्न के उत्तर अपेक्षित हैं।
5. दिए गए खंड 'ख' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

खंड क –	01 X 05 = 05 अंक
खंड क –	05 X 02 = 10 अंक
खंड ख –	15 X 04 = 60 अंक
	75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा 15 अंक

एक मौखिक परीक्षा

संतत मूल्यांकन सह उपस्थिति – 10 अंक

कुल – 100 अंक

विशेष :–विभागीय शिक्षकों के अतिरिक्त मौखिकी हेतु एक वाह्य परीक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

07/11/2022

07/11/2022 07/11/2022 7/11/22

MIL Communication Skills: Non -Santhali

विषय कोड –

अंक – 50 (वाह्य – 40, आंतरिक – 10)

क्रेडिट – 03

समय – 02 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा –

- विद्यार्थियों में औपचारिक विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे।
- विद्यार्थी पत्र के माध्यम से लेखन कला सीख सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना –

इकाई 1 – पत्र– लेखन (औपचारिक, अनौपचारिक), ज्ञापन – 01 क्रेडिट

इकाई 2 – निबंध, पल्लवन – 01 क्रेडिट

इकाई 3 – शब्द विचार, कारक, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय – 01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ

- संताली व्याकरण – आद पारसी, बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी"
- रोनोड – पंडित रघुनाथ मुर्मू
- संताली बेसिक लेक्सीकॉन विथ ग्रामेटिकल नोट – गणेश मुर्मू, इलका, टी. यु. एफ. एस. जापान – 2001
- हिन्दी और संताली का तुलनात्मक अध्ययन – डोमन साहु "समिर"

07/11/2022

07/11/2022

07/11/2022

7/11/22

परिचयात्मक पाठ्यक्रम (INTRODUTORY) 01: लेखन कौशल

कोड–IRC-01

अंक–100 (वाह्य–75, आन्तरिक 25)

क्रेडिट–03

समय–03 घंटे

पाठ्यकम के इस अंश का अधिगत परिणाम निम्नवत् होगा–

- ➢ विधार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने कि क्षमता विकसित हो सकेगा।
- ➢ व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेगें।
- ➢ विधार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।
- ➢ छात्र कार्यालयी संताली के स्वरूप से परिचित होकर कार्यालय में संताली के प्रयोग में सक्षम हो सकेंगें।
- ➢ ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान उनके संताली कौशल संवर्धन में सहायक।

प्रस्तावित संरचना–

- लेखन कौशल का महत्व
- लेखन के विविध रूप
- लेखन प्रशिक्षण
- लेखन कौशल के विकास के लिए क्रिया–कलाप
- कार्यालयी संताली का स्वरूप
- कार्यालयी संताली का क्षेत्र
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप
- कार्यालयी संताली की समस्याएँ
- कार्यालयी संताली के पारिभाषिक शब्दावली
- साक्षात्कार, हिंदी संताली अनुवाद

सहायक ग्रंथ–

1. संताली सेल्फ टोट – एस. हेम्ब्रम
2. फ्रेमवर्क फोर लर्निंग एण्ड अंडर स्टडिंग इन ओलचिकि स्क्रिप्ट – आर. सी. हांसदा
3. एन इन्ट्रोडक्सन टु द संथाली लैंग्वेज – जेरिमिया फिलिप
4. डेव्हलपमेंट ऑफ संताली लेंग्वेज – गणेश मुर्मू
5. संताली प्रवेशिका – डोमन साहु समीर
6. मेटेरियल फॉर लर्निंग संताली ग्रामर – पी. ओ. बोडिंग
7. इंग्लिश संताली वोकेब्लरी – डब्ल्यू. मार्टिन
8. प्रवेशिका संताली व्याकरण – सनातन हांसदा

Bmahto 07/11/2022

Blahto 07/11/2022 07/11/2022

7/11/22

(MAJOR) प्रथम पत्र – 01 संताली साहित्य : आदिकाल से आधुनिक काल – रचनाएँ व इतिहास

कोड –

अंक – 100 (वाह्य – 75, आंतरिक – 25)

क्रेडिट – 06

समय – 03 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा –

- ➢ विद्यार्थी पहली शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्द्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- ➢ संताली साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- ➢ संताली साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
- ➢ संताली के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना –

- संताली साहित्य के इतिहास का काल विभाजन।
- आदिकाल का नामकरण।
- आदिकालीन परिस्थितियाँ।
- भक्ति काव्य और उसका वर्गीकरण।
- निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूपं
- प्रेमाख्यानक काव्य की प्रवृत्तियाँ।
- निर्गुण भक्ति काव्य की भाषा का स्वरूप।

कवि परिचय एवं रचनाएँ –

- ➢ संताली कवि एवं काव्य।
- ➢ आधुनिक संताली साहित्य एवं साहित्यकार।
- ➢ संताली भाषा के विभुतियाँ।

सहायक ग्रंथ –

1. होड. सेरेञ – पदमश्री भागवत मुर्मू "ठाकुर" देवघर
2. होड. काहनी को – पी. ओ. वोडिंग
3. भेन्ता काथा आर कुदुम – नुनकु सोरेन
4. कुदुम – डा. एम. एस. टूडु, दुमका
5. स्ताली लोक गीत – रतन हेम्ब्रम
6. दाड़ेगे धोन – रघुनाथ मुर्मू
7. खेरवाल बोंसो धोरोम पुथी – माझी रामदास टुडु "रूसिका"
8. लिटा गोडेत् – साधु राम चांद मुर्मू
9. होड़ सेरेञ – डब्लू. जी. आर्चर
10. दी संताल एन्ड देयार एनसेस्टर – डी. बाड़का किस्कु।

07/11/2022

07/11/2022 07/11/2022

7/11/22